DR MALA KUMARI
ASSISTANT PROFESSOR (GUEST TEACHER)
DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY
A.N.D COLLEGE SHAHPUR PATORY,SAMASTIPUR

B.A –PART 2 PSYCHOLOGY (HONS)
PAPER-3 ,UNIT-7,
NATURE OF DEPRESSION
LECTURE-78

LECTURE-78 का शेष भाग :-

(3) अभिप्रेरणात्मक लक्षण (motivational symptoms)-विषादी व्यक्ति प्रायः अपने दिनचर्या के कार्यो में अभिरुचि खो देते है |करीब – करीब ऐसे सभी व्यक्तियों में प्रणोद (drive),पहल (intiative) तथा स्वेच्छा (spontaneity)की कमी पायी जाती है| ऐसे लोगों को काम पर जाने के लिए ,दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए ,भोजन करने के लिए तथा यौन व्यवहार करने के लिए काफी दबाब डालना पड़ता है | एरोन बेंक (1567) ने ऐसी स्थिति को इच्छाओं का पक्षाघात कहा जाता है |ऐसे लोग किसी

समस्या पर अंतिम निर्णय लेने में काफी कठिनाई का सामना करते है |

सचमुच में इनके लिए निर्णय लेना एक भय या डर से भरा हुआ कार्य होता है जिसे वे सामान्यतः नहीं करना चाहते है |ऐसे लोग अपनी जिन्दगी की क्रियाओं एवं दवाबों से बचने के लिए आत्महत्या (suicide)करने में भी हिचकिचाते नहीं है |

(4) व्यवहार परक लक्षण (behavioural symptoms)-विषादी व्यक्तियों की क्रियाएँ सामान्यतः तेजी से गिरता है | वे कम कार्य करते है तथा उनकी उत्पादकता भी काफी कम होती है | वे अकेले रहकर अधिक समय व्यतीत करते है और बिछावन पर ही लम्बे समय तक लेटे रहते है |पार्कर तथा उनके सहयोगियों (1993) तथा वयवाल्ड एवं रुडिकडेविस (1993)द्वारा किये गए अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि विषादी लोग (depressed people) बहुत धीरे –धीरे चलते है | तथा उनके व्यवहार से ऐसा लगता है कि उनमें न तो चलने की इच्छा है और न शक्ति |यहाँ तक कि उनका संभाषण धीमा ,एक स्वरीय तथा आँख झुकाकर किया जाता है |वैक्सर (1974) के अध्ययन के अनुसार विषादी लोग अविषादी व्यक्तियों की अपेक्षा साक्षात्कारकर्त्ता के

साथ सीधे आँख सम्पर्क स्थापित करके बातचीत नहीं करते है तथा प्रायः वे मुँह फेरकर किसी प्रश्न का जबाब देते देखे जाते है |

(5) दैहिक लक्षण (somatic symptoms)- विषादी व्यक्तियों में प्रायः दैहिक लक्षण जैसे सिरदर्द ,अपच, कब्ज ,छाती में दुखद संवेदना तथा पुरे शरीर में दर्द आदि भी होते देखे जाते है |सचमुच में बहुत सारे ऐसी विषादी अवस्थाओं को कभी – कभी मेडिकल समस्या समझने की भूल कर ली जाती है |कजेस तथा उनके सहयोगियों (1994) के अध्ययन के अनुसार विषादी व्यक्तियों में अन्य दैहिक लक्षणों की तुलना में भूख एवं नींद में कमी या क्षुब्धता प्रमुख होती है |इनका थकान का स्वरूप कुछ ऐसा होता है कि लम्बे समय तक आराम एवं नीद के बाद भी वह समाप्त नही होता है | वालेनगर (1998) के अनुसार करीब 9 %विषादी व्यक्ति ऐसे भी होते है जिन्हें नींद काफी आती है |

स्पष्ट हुआ कि विषाद में कई तरह के लक्षण होते है |